www.sanjanabharati.com
दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित
facebook.com/Sanjanabharati

SB NEWS

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 क्या पीएम नरेंद्र मोदी के सितंबर अमेरिकी...
3 बनारस बार में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया 79वां...
4 11 साल में मोदी सरकार ने हर वर्ग के लिए...

वर्षः 9 | अंकः 294 | दिल्ली, सोमवार, 18 अगस्त 2025 | पृष्ठ संख्याः 4 | मूल्यः 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में भूस्खलन में लोगों की मौत पर उपराज्यपाल ने शोक प्रकट किया

जम्मू-कश्मीर (एजेन्सी)। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कठुआ जिले में बारिश के कारण हुए भूस्खलन में कई लोगों की मौतों पर रविवार को दुख प्रकट किया और कहा कि गृह मंत्री अमित शाह को बचाव एवं राहत कार्यों की जानकारी दे दी गई है। सिन्हा ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, कठुआ के कई इलाकों में बारिश के कारण हुए विनाशकारी भूस्खलन में लोगों की मौत से बहुत दुखी हूं। यह त्रासदी दिल दहला देने वाली है। उन्होंने कहा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को सेना, एनडीआरएफ (राष्ट्रीय आपदा मोचन बल), एसडीआरएफ (राज्य आपदा मोचन बल), पुलिस और प्रशासन के बचाव एवं राहत अभियानों की जानकारी दी। रविवार तड़के कठुआ जिले में बादल फटने और भूस्खलन की दो अलग-अलग घटनाओं में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। उपराज्यपाल ने कहा, मैंने प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को प्रभावित क्षेत्रों में बचाव और सहायता प्रयासों में समन्वय सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है और मौके पर चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने को भी कहा है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं और मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

भाजपा के खिलाफ हिंदू-मुस्लिम गठबंधन बनाने पर विचार : प्रशांत किशोर

बिहार (एजेन्सी)। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने महात्मा गांधी और बाबासाहेब आंबेडकर की विचारधाराओं में विश्वास रखने वाले हिंदुओं तथा मुस्लिम समुदाय के बीच गठबंधन बनाकर भाजपा को हराने का संकल्प लिया है। किशोर ने शनिवार को जन सुराज पार्टी से जुड़े मुस्लिम नेताओं के साथ बैठक के बाद संवाददाताओं से बात करते हुए आगामी बिहार विधानसभा चुनाव से पहले अपना यह दृष्टिकोण सामने रखा। उन्होंने कहा, सभी हिंदू भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का समर्थन नहीं करते। वास्तव में, यह भी नहीं कहा जा सकता कि अधिकांश हिंदू भाजपा के साथ हैं। हम एक विचारधारा-आधारित गठबंधन बनाने की कोशिश कर रहे हैं। किशोर ने दावा करते हुए कहा, हम महात्मा गांधी और बाबासाहेब आंबेडकर की विचारधारा में विश्वास रखने वाले हिंदुओं और मुसलमानों के बीच एक गठबंधन बनाना चाहते हैं। ऐसा समीकरण भाजपा को आसानी से हरा सकता है। प्रशांत किशोर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सफल चुनाव अभियान के प्रबंधन के लिए राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्धि मिली थी। गौरतलब है कि किशोर ने पहले घोषणा की थी कि उनकी पार्टी 243 सदस्यीय बिहार विधानसभा के चुनावों में 40 मुसलमानों को मैदान में उतारेगी।

जम्मू-कश्मीर में फिर कुदरत का कहर

जम्मू-कश्मीर (एजेन्सी)। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड के बाद, अब कठुआ जिले में भी कुदरत का कहर देखने को मिला है। एक सुदूर गांव में बादल फटने से कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और छह लोग घायल हो गए। यह घटना शनिवार और रविवार की दरमियानी रात को हुई। इससे पहले, किश्तवाड में भी इसी तरह की घटना में 60 से ज्यादा लोग जान गंवा चुके हैं। अधिकारियों के अनुसार, बादल फटने से गांव के कई घर मलबे और बाढ के पानी में दब गए। इस त्रासदी के कारण गांव तक पहुंचने वाले रास्ते भी बंद हो गए हैं, जिससे बचाव कार्य में मुश्किलें आ रही हैं। हालांकि, पुलिस और एसडीआरएफ (राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल) की संयुक्त टीम घटनास्थल पर पहुंच गई है और बचाव अभियान जारी है। अधिकारियों ने बताया कि जम्मू-पठानकोट राष्ट्रीय राजमार्ग पर भी इस घटना से नुकसान पहुंचा है। कठुआ पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आने वाले बागड, चांगडा और दिलवान-हुतली गांवों में भी भूस्खलन हुआ है, लेकिन वहां किसी बडे नुकसान की खबर नहीं है। भारी बारिश के कारण इस क्षेत्र के ज्यादातर जलाशयों का जलस्तर तेजी से बढ रहा है। उझ नदी भी खतरे के निशान के करीब बह रही है।

सहारनपुर में महिला ने ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या की

सहारनपुर (एजेन्सी)। सहारनपुर जिले के देवबंद थाना क्षेत्र में एक महिला ने ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली, जबकि उसकी मां की आत्महत्या की कोशिश को राहगीरों ने नाकाम कर दिया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि महिला पारिवारिक कलह से परेशान थी। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सागर जैन ने कहा कि घटना शुक्रवार देर रात हुई जब रेलवे रोड की निवासी शिवाली (45) अपनी मां विनोद गंभीर (65) के साथ पटरियों के पास टहल रही थी। अधिकारी ने कहा, जैसे ही सहारनपुर की ओर से एक ट्रेन आई, शिवाली अचानक उसके आगे कूद गई। आसपास मौजूद लोगों ने उसकी मां को रोका, जो आत्महत्या का प्रयास कर रही थी। जैन ने बताया कि शिवाली पारिवारिक कलह से परेशान थी। पुलिस ने कहा कि उन्हें बताया गया है कि मां और बेटी दोनों मानसिक रूप से परेशान थीं।

श्रद्धालुओं की सुविधाएं सरकार की प्राथमिकता, धूमधाम से मनेंगे सभी धार्मिक पर्वः रविन्द्र इन्द्राज

'रामलीला के मंचन और दशहरा का भी होगा भव्य आयोजन'

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के समाज कल्याण मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधाएं सरकार की प्राथमिकता हैं। कांवड़ यात्रा का ऐतिहासिक आयोजन, श्री कृष्ण जन्माष्टमी का भव्य आयोजन संपन्न हुआ और आने वाले समय में रामलीला व दशहरा के आयोजन में भी श्रद्धालुओं को बेहतर व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने वालंटियर के रूप में व्यवस्था में सहयोग दे रहे स्थानीय निवासियों और युवाओं का भी अभिनन्दन किया।

कैबिनेट मंत्री ने बवाना विधानसभा क्षेत्र में श्री कृष्ण जन्मोत्सव के अवसर पर पूजा-अर्चना की और श्रद्धालुओं संग उत्सव की खुशियां साझा कीं। रविन्द्र इन्द्राज ने ईश्वर कॉलोनी स्थित श्री कृष्ण सेवा बृज मंडल तथा श्री गुरु कृपा वाटिका में आयोजित जन्माष्टमी कार्यक्रमों में स्थानीय निवासियों के साथ सहभागिता की। उन्होंने विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में आयोजित अन्य धार्मिक-सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी भाग लेकर श्रद्धालुओं का उत्साहवर्धन किया।

समाज कल्याण मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के निर्देश हैं कि त्योहारों के दौरान सुरक्षा एवं यातायात प्रबंधन की विशेष व्यवस्था रहे। स्थानीय प्रशासन, पुलिस और नगर निगम के सहयोग से आयोजन स्थलों के आसपास स्वच्छता, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और यातायात नियंत्रण पर विशेष ध्यान दिया जाए। साथ ही भीड़ प्रबंधन के लिए पुलिस बल की पर्याप्त तैनाती रहे, वहीं एम्बुलेंस और चिकित्सा दल भी आपात स्थिति के लिए तैयार रहें। श्री इन्द्राज ने कहा कि दिल्ली सरकार सभी धार्मिक आयोजनों के लिए सुचारू प्रबंध सुनिश्चित करने के लिए संकल्पित है ताकि श्रद्धालु बिना किसी असुविधा के परंपरागत त्योहारों की भव्यता का आनंद ले सकें।

धूमधाम से मना अधिवक्ता गौतम झा का जन्मोत्सव, बधाइयों का लगा रहा तांता

- शहर के प्रमुख समाजसेवी, अधिवक्ता, बुद्धजीवी, प्रशासनिक अधिकारी और साहित्यकारों ने दी बधाई
- बधाई और शुभकामना संदेश देने वालों के प्रति गौतम झा ने व्यक्त की कृतज्ञता

एसबी संवाददाता/रंजीत कुमार सिंह

वाराणसी। वाराणसी के युवा अधिवक्ता शहर के प्रमुख समाजसेवी, मैथिल समाज, उत्तर प्रदेश के संयोजक, बीएचयू एल्युमनी एसोसिएशन के सचिव गौतम कुमार झा का जन्मोत्सव 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस पर पड़ता है इस अवसर पर शहर के प्रमुख समाजसेवियों, अधिवक्ताओं, बुद्धजीवियों, साहित्यकारों और प्रशासनिक अधिकारियों ने झा जी को अपनी अपनी बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित की। बधाई और शुभकामना देते वालों के प्रति गौतम झा ने कृतज्ञता व्यक्त किया और कहा कि अपने शुभचिंतकों का आजीवन ऋणी रहूंगा।

युवा अधिवक्ता गौतम झा कम उम्र में ही युवाओं के प्रेरणास्त्रोत बन गये हैं। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय से स्नातक करने बाद बीएचयू के ला स्कूल से एलएलबी की डिग्री लेकर वाराणसी सिविल कोर्ट में प्रैक्टिस करते हैं। गरीबों, वंचितों और शोषितों की आवाज को अपने कलम के माध्यम से उठाते हैं। अधिवक्ता गौतम झा का जन्मदिन बनारस बार एसोसिएशन के सभागार में, ऐतिहासिक टाउनहॉल में और भी बहुत जगहों धूमधाम से मनाया गया।

सोशल मीडिया, फोन और मिलकर बधाई देने वालों में प्रमुख रूप से उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी प्रमुख सचिव आवास नितिन रमेश गोकर्ण, जिला जज बिहार शरीफ संजीव कुमार सिंह, जिला जज संजय सिंह, अपर जिला जज मनोज तिवारी, एडीजे संजय मिश्र बनारस बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सतीश तिवारी, महामंत्री शशांक श्रीवास्तव, एमएलसी आशुतोष सिन्हा, बीएचयू छात्र सलाहकार पंकज सिंह, प्रो शंकर कुमार मिश्र, आईआरएस अश्वनी कुमार, भारतीय रेल चिकित्सा सेवा के डा चन्द्रशेखर झा, विश्व प्रसिद्ध हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ आलोक चौधरी, सुप्रसिद्ध पार्श्व गायक डा विजय कपूर, ख्यात शास्त्रीय गायिका डा सुष्मिता झा, दैनिक आज के सिटी हेड दिनबन्धु राय, दैनिक जागरण के सिटी हेड प्रमोद यादव, अमर उजाला के आलोक त्रिपाठी, नेशनल जर्नलिस्ट एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश कुमार, एसबीआई के एजीएम सौरभ सिंह, बैंक आफ बड़ौदा के डीजीएम रंजीत झा, बड़ौदा ग्रामीण बैंक के एजीएम मनोज झा, समाजसेविका दीपमाला झा, एनआरआई अमेरिका के प्रसिद्ध उद्योगपति अजय झा, भारतेन्दु अकादमी के अध्यक्ष आचार्य पं राजेन्द्र त्रिवेदी, सेन्ट्रल बार के उपाध्यक्ष दीपक राय कान्हा, सेन्ट्रल बार के पूर्व महामंत्री सुरेन्द्र नाथ पांडेय, विवेक सिंह, नित्यानंद राय, भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के वंशज दीपेश चन्द चौधरी, बीएचयू हिंदी विभाग के प्रो प्रभात मिश्र, सपा नेता किशन दीक्षित, हरिश्चन्द्र कालेज के अध्यक्ष द्वय अमित यादव, एसपी यादव, दारानगर के पूर्व पार्षद मनोज यादव आदि शहर की प्रमुख हस्तियों ने बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित किया।

79वें स्वतंत्रता दिवस पर हुआ ध्वजारोहण

एसबी ब्यूरो प्रमुख/मिन्टू कुमार झा

बीहट। हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड, बरौनी इकाई में परियोजना प्रमुख संजय कुमार गुप्ता द्वारा प्रशासनिक भवन एवं आवासीय परिसर स्थित अतिथि गृह पर ध्वजारोहण कर उपस्थित सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों का उत्साहवर्धन किया गया। अपने प्रेरणादायी संबोधन में उन्होंने बरौनी इकाई की निरंतर प्रगति एवं हिन्दुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड की उल्लेखनीय उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए भविष्य में आने वाली चुनौतियों और अवसरों पर विचार व्यक्त किए। उन्होंने सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत बेगूसराय क्षेत्र में किए जाने वाले प्रस्तावित विभिन्न कल्याणकारी कार्यों का उल्लेख किया, जो हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड के समाज के प्रति समर्पण को दशार्ता है।

समारोह के दौरान केंद्रीय विद्यालय, डीएवी पब्लिक स्कूल, किड्जी स्कूल एवं बरौनी इकाई के बच्चों द्वारा विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इन सभी बच्चों को बरौनी इकाई के पदाधिकारियों द्वारा पुरस्कृत कर उनका उत्साह वर्धन किया गया। समारोह की अंतिम कड़ी में मानव संसाधन विभाग के अधिकारी प्रमोद कुमार मिश्रा द्वारा समारोह में प्रत्यक्ष वी अप्रत्यक्ष रूप से योगदान देने वाले सम्मिलित लोगों को धन्यवाद व्यक्त कर आभार प्रगट किया।

आयोजित कार्यक्रम में इकाई प्रमुख संजय कुमार गुप्ता के साथ साथ सहायक उपाध्यक्ष मेंटिनेंस गोपाल कृष्ण बेहेरा, सहायक उपाध्यक्ष ऑपरेशन ज्योतीश कुमार सतपथी, सहायक उपाध्यक्ष तकनीकी दिबेश बेहेरा, केंद्रीय विद्यालय के प्राचार्य नरेंद्र पाण्डेय, डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल के प्राचार्य सर्वेश्वर भुजबाला, एनसीसी के चित्रबहादुर थापा, मानव संसाधन पदाधिकारी मनीष कुमार इत्यादि मौजूद रहे।

जिले के सभी विद्यालयों में स्काउट और गाइड दल का होगा गठनः डीईओ

संजना भारती संवाददाता

मोतिहारी। स्काउटिंग-गाइडिंग शिक्षा का अभिन्न अंग है। इसके जरिए छात्र-छात्राओं को अनुशासित और जिम्मेदार नागरिक बनाने में सहयोग मिलता है। ऐसे में जिले स्कूलों के साथ साथ मदरसा और संस्कृत विद्यालयों में इसकी अनिवार्यता होगी। उक्त बातें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भारत और गाइड कार्यालय में झंडोत्तोलन के उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए डीईओ रंजन कुमार गिरि ने कहीं। उन्होंने जिले में स्काउटिंग गाइडिंग के प्रोत्साहन के लिए हर सहयोग देने का भरोसा दिलाया।

मौके पर डीपीओ माध्यमिक शिक्षा नित्यम कुमार गौरव ने भारत वर्ष को स्वतंत्र हुए 79 वर्ष हो गए जिस अवसर पर देश भर में 15 अगस्त 2025 को हर्षा उल्लास के साथ 79 वा स्वतंत्रता दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया। पुर्वी चम्पारण के मोतिहारी में भी स्काउटिंग गाइडिंग की भूरी भूरी प्रशंसा करते हुए कहा एक वर्ष के अन्द्र हुए भारत स्काउट और गाइड के विकास की सराहना की एवं जिले भर के सभी विद्यालयों में दल गठित करने की घोषणा की।

उल्लेखनीय है कि जिलास्तरीय समारोह में भारत स्काउट और गाइड को मुख्य परेड में शामिल किया गया जिसमें बेहतर प्रदर्शन के लिए दो दो पुरस्कार सौरभ जोरवाल द्वारा दिया गया। अनुमंडलाधिकारी चकिया के नेतृत्व में गांधी मैदान चकिया के मुख्य परेड में दयाल शरण प्रसाद, अभिषेक कुशवाहा एवं अमीर अनवर के नेतृत्व में शानदार प्रदर्शन करने के लिए पर पुरस्कृत किया गया। इस जिला कार्यालय स्काउट भवन में जिला शिक्षा पदाधिकारी राजन कुमार गिरी ने राष्ट्रीय झंडा फहराया उक्त अवसर पर जिला मुख्य आयुक्त रत्नेश्वरी शर्मा ने स्काउट संचालन से जुड़ी समस्याओं को अधिकारी द्वेय के समक्ष रखा।

मौके पर उन्होंने जिला शिक्षा पदाधिकारी व डीपीओ माध्यमिक शिक्षा को मुख्य आयुक्त द्वारा शाल ओढ़ा कर सम्मानित किया तथा स्काउट का प्रतीक चिन्ह स्कार्फ पहना कर जिला संगठन आयुक्त दीपक कुमार गुप्ता ने उनका स्वागत किया गाइडों ने स्वागत गान किया तथा संपूर्ण कार्यक्रम का मंच संचाल जिला आयुक्त (वयस्क संसाधन) राजकिशोर पासवान ने किया।

वही महात्मा गांधी प्रेक्षा गृह में हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम में भारत स्काउट और गाइड के बच्चों ने झिझिया गीत पर नृत्य प्रस्तुत किया। बेहतर प्रस्तुति के लिए पूरी टीम को पुरस्कृत किया गया। भारत स्काउट और गाइड के जिला कार्यालय में समारोह के दौरान भारत स्काउटिंग और गाइडिंग के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए ई. तौसीफुर रहमान जिला परिषद बजरिया, प्रमोद कुमार प्रधानाध्यापक उत्क्रमित माध्य विद्यालय खैरी, सरताज आलम स्काउट प्रभारी उत्क्रमित माध्य विद्यालय खैरी, पिंकू कुमार, डा. अकील अहमद मध्य विद्यालय गोबरी बजरिया, सहित कार्यक्रम को सफल बनाने वाले सभी अनुदेशकों, प्रशिक्षकों एवं लीडर्स को मोमेंटो और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में भाग लेने वालों में अजहर हुसैन अंसारी, कौशल ठाकुर, शशांक शेखर, अरुण कुमार सिंह, शुभम कुमार चंदन कुमार, अनुराधा कुमारी, डॉ अनीता कुमारी, सक्षम आर्य, सार्य, सूरज कुमार, अभिजीत कुमार, कौशल किशोर महतो, मीनाक्षी कुमारी, रविता कुमारी, मुकेश कुमार यादव, पवन कुमार, शिवनंदन कुमार, अभिजीत कुमार, बदीउजमा उर्फ गुड्डु, अंकित, गोलू, नन्द्रन, रीतिशा, चांदनी, कुमार अनुराग, पिंकू कुमार, राजेश कुमार, पुष्पांजलि, रंजू कुमारी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

सम्पादकीय

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और स्वतंत्रता आंदोलन

राष्ट्रीय स्वयंसेवक के बारे में अज्ञानता से घिरे लोग अकसर यह प्रश्न पूछते हैं कि स्वतंत्रता आंदोलन में संघ की क्या भूमिका रही है? कुछ लोग इससे भी आगे बढ़ जाते हैं और पूछते हैं कि संघ के किसी एक कार्यकर्ता का नाम ही बता दीजिए, जिसने स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लिया हो? संघ की स्थापना जिन्होंने की, वे डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार स्वयं ही जन्मजात देशभक्त थे। डॉ. हेडगेवार क्रांतिकारी भी रहे, कांग्रेस में रहकर राजनीतिक संघर्ष किया और जेल भी गए। बाद में, देश की सर्वांग स्वतंत्रता और स्वतंत्रता को स्थायी बनाने के उद्देश्य से उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की। डॉ. हेडगेवार अकेले नहीं हैं, अपितु स्वतंत्रता आंदोलन में हिस्सा लेनेवाले संघ के ज्ञात-अज्ञात कार्यकर्ताओं की लंबी श्रृंखला है। जो संगठन अपने कार्यकर्ताओं को यह शपथ दिलाता हो कि मैं हिन्दूराष्ट्र को स्वतंत्र कराने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का घटक बना हूँ, उसने कितने ही लोगों के मन में स्वतंत्रता प्राप्ति का भाव भरा होगा, उसकी सहज कल्पना की जा सकती है। भारत में प्रतिज्ञा का बहुत महत्व है। हमें भीष्म प्रतिज्ञा का स्मरण है। राजा हरिशचंद्र की सत्य बोलने की प्रतिज्ञा ध्यान है। मुगलिया सल्तनत के अत्याचार के विरुद्ध महाराण प्रताप की प्रतिज्ञा को कौन भूल सकता है। छत्रपति शिवाजी महाराज ने शिव को साक्षी मानकर प्रतिज्ञा करके स्वराज्य की नींव रखी, जिसे साकार करने में संपूर्ण समाज प्राणपण से जुट गया। संघ के स्वयंसेवक भी इसी भाव के साथ प्रतिज्ञाबद्ध होते हैं कि वह जो प्रतिज्ञा ले रहे हैं, उसको पूर्ण करने में अपना सर्वस्व देंगे और प्रतिज्ञा को आजन्म निभाएंगे। मार्च 1928 में नागपुर के निकट एक पहाड़ी पर स्वयंसेवकों को एकत्र करके, भगवाध्वज के समक्ष प्रतिज्ञा का पहला कार्यक्रम सम्पन्न कराया गया था। देश की पूर्ण स्वतंत्रता एवं विकास के लिए स्वयंसेवकों को वीरव्रती बनाने के निमित्त आयोजित इस प्रथम कार्यक्रम में 99 स्वयंसेवकों ने प्रतिज्ञा की थी। इस अवसर पर डॉ. हेडगेवार ने संघ के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए जो भाषण दिया, वह स्वतंत्रता प्राप्ति की संघ की आकांक्षा को स्पष्टतौर पर व्यक्त करता है। उन्होंने कहा- हमारा उद्देश्य हिन्दू राष्ट्र की पूर्ण स्वाधीनता है। संघ का निर्माण इसी महान लक्ष्य के लिए हुआ है। इस स्पष्ट अभिव्यक्ति के बाद कहने के लिए कुछ और भी बचता है क्या? यह भी समझना होगा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता अपनी नित्य प्रार्थना में कहते हैं कि इस राष्ट्र को परम वैभव पर लेकर जाना है। क्या कोई पराधीन राष्ट्र परम वैभव पर जा सकता है? स्पष्ट है कि भारत की स्वतंत्रता का लक्ष्य संघ की स्थापना में निहित था। डॉक्टर साहब ने 1929 में वर्धा में आयोजित प्रशिक्षण वर्ग में भी स्वयंसेवकों एवं नागरिकों की एक सभा में प्रखरता के साथ कहा- ब्रिटेन की सरकार ने अनेक बार भारत को स्वतंत्र करने का आश्वासन दिया है, परंतु वह झूठा साबित हुआ। अब यह साफ हो गया कि भारत अपने बल पर स्वतंत्रता प्राप्त करेगा। याद रहे कि डॉ. हेडगेवार ने महात्मा गांधी के आह्वान पर नमक सत्याग्रह में शामिल होकर विदर्भ प्रांत में 1930 में जंगल सत्याग्रह किया। इस आंदोलन में उनके साथ अनेक प्रमुख स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया। सत्याग्रहियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया और जेल भेज दिया। डॉक्टर साहब को नौ माह का कठोर कारावास दिया गया। इससे पूर्व 1921 के आंदोलन में भी डॉक्टर साहब को जेल की सजा हुई थी। महात्मा गांधी के सविनय अवज्ञा आंदोलन को मध्यभारत में सफल बनाने के लिए स्वयंसेवकों ने अथक प्रयास किया। संघ के सरकार्यवाह जीएम हुद्दार, नागपुर के संघचालक अप्पा साहेब हलदे, सिरपुर के संघचालक बाबूराव वैद्य, संघ के सरसेनापति मार्तंडराव जोग के साथ संघ के अन्य प्रमुख कार्यकर्ताओं के आंदोलन में शामिल होने के कारण चार-चार माह का कारावास मिला। अपनी स्थापना के कई वर्षों बाद कांग्रेस को जनमानस के दबाव के कारण 31 दिसंबर, 1929 को लाहौर में रावी के तट पर पहली बार पूर्ण स्वराज्य का प्रस्ताव पारित करना पड़ा।

जयंती

विष्णु दिगम्बर पलुस्कर

जन्म: 18 अगस्त, 1872; मृत्यु: 21 अगस्त, 1931) हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में एक विशिष्ट प्रतिभा थे, जिन्होंने भारतीय संगीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वे भारतीय समाज में संगीत और संगीतकार की उच्च प्रतिष्ठा के पुनरुद्धारक, समर्थ संगीतगुरु, अप्रतिम कंठस्वर एवं गायनकौशल के धनी भक्त हृदय गायक थे। विष्णु दिगम्बर पलुस्कर ने स्वतंत्रता संग्राम के दिनों में महात्मा गांधी की सभाओं सहित विभिन्न मंचों पर रामधुन गाकर हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत को लोकप्रिय बनाया। पलुस्कर ने लाहौर में 'गंधर्व महाविद्यालय' की स्थापना कर भारतीय संगीत को एक विशिष्ट स्थान दिया। इसके अलावा उन्होंने अपने समय की तमाम धुनों की स्वरलिपियों को संग्रहित कर आधुनिक पीढ़ी के लिए एक महत्वपूर्ण योगदान दिया।

पुण्यतिथि

सुभाष चंद्र बोस

जन्म-23 जनवरी, 1897 ई., कटक, उड़ीसा; मृत्यु-18 अगस्त, 1945 ई., जापान) के अतिरिक्त भारत के इतिहास में ऐसा कोई व्यक्तित्व नहीं हुआ, जो एक साथ महान सेनापति, वीर सैनिक, राजनीति का अद्भुत खिलाड़ी और अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पुरुषों, नेताओं के समकक्ष साधिकार बैठकर कूटनीति तथा चर्चा करने वाला हो। भारत की स्वतंत्रता के लिए सुभाष चंद्र बोस ने करीब-करीब पूरे यूरोप में अलख जगाया। बोस प्रकृति से साधु, ईश्वर भक्त तथा तन एवं मन से देशभक्त थे। महात्मा गांधी के नमक सत्याग्रह को 'नेपोलियन की पेरिस यात्रा' की संज्ञा देने वाले सुभाष चंद्र बोस का एक ऐसा व्यक्तित्व था, जिसका मार्ग कभी भी स्वार्थों ने नहीं रोका। जिसके पाँव लक्ष्य से कभी पीछे नहीं हटे, जिसने जो भी स्वप्न देखे, उन्हें साधा। नेताजी में सच्चाई के सामने खड़े होने की अद्भुत क्षमता थी।

कल मिलेंगे

डॉक्टर मरीज से–अगर तुम मेरी दवा से ठीक हो गए तो मुझे क्या इनाम दोगे?
मरीज–साहब मैं तो बहुत गरीब आदमी हूं कब्र खोदता हूं...
आपकी फ्री में खोद दूंगा.

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।
RNI No. : DELHIN/2016/70240
Phone No.: 9871221635
E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com
(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

क्या पीएम नरेंद्र मोदी के सितंबर अमेरिकी दौरा से आपसी रिश्तों में जमी बर्फ कुछ पिघलेगी? समझिए मायने!

-कमलेश पांडेय

अपनी पिछली द्विपक्षीय बैठक के बाद जारी एक संयुक्त बयान में, पीएम मोदी और ट्रंप ने 2025 के अंत तक पारस्परिक रूप से दोनों के लिए फायदेमंद, बहु-क्षेत्र द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) की पहली किश्त पर बातचीत करने की योजना की घोषणा की थी। लेकिन व्यापार वार्ता के बीच ही ट्रंप ने भारत पर कुल 50 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया, जिसमें नई दिल्ली की रूसी तेल की खरीद के लिए 25 प्रतिशत भी शामिल था, जो 27 अगस्त से लागू होगा

चाहे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हों, या अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेन्स, दोनों भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को "टफ नेगोशिएटर" यानी "कठोर वातार्कार" बताते आए हैं। इसका अभिप्राय एक ऐसे व्यक्ति से होता है जो बातचीत में आसानी से हार नहीं मानता, अपनी बात पर दृढ़ रहता है और समझौते पर पहुंचने के लिए आसानी से झुकता नहीं है। जब-जब मैं उन दोनों नेताओं के मुख से टंप नेगोशिएटर शब्द सुनता हूँ तो महसूस करता हूँ कि आखिर इन अमेरिकियों के मन में चल क्या रहा है?

लेकिन अब उन बातों का जवाब मिल चुका है। वह यह कि अमेरिका को चीन के मुकाबले एक मजबूत भारत नहीं, बल्कि पिछलग्गू भारत की जरूरत है। वहीं, भारत विरोधी पाकिस्तान व बांग्लादेश को पुनः भड़काकर अमेरिकी नेताओं ने मित्रता की आड़ में जो शत्रुतापूर्ण चालें चलीं हैं, उसके भी सही जवाब का उन्हें इंतजार करना होगा, क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी आजतक किसी के चतुराई भरे व्यवहार या दुर्व्यवहार को कभी भूलते नहीं हैं और उचित वक्त आने पर सूद समेत ऐसा वापस करते हैं, जिसे दिग्गज नेता व उद्योगपति ज्यादा समझते हैं। उन्हें इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि वह अच्छा लग रहा है या बुरा।

दरअसल, यह बात मैं इसलिए कर रहा हूँ कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी सितंबर माह में संयुक्त राष्ट्र महासभा के एक उच्च स्तरीय सत्र को संबोधित करने के लिए मित्र से शत्रु बनते जा रहे देश अमेरिका का अहम दौरा कर सकते हैं। पीएम नरेंद्र मोदी की संभावित अमेरिका यात्रा इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह एक ऐसे समय में हो रही है जब हाल के महीनों में भारत और अमेरिका के बीच संबंध प्रभावित हुए हैं। पहले इन सम्बन्धों पर रूस-यूक्रेन की वक्र दृष्टि पड़ी और फिर भारत-पाक सीमित संघर्ष और इजरायल-ईरान युद्ध की। भारत-चीन की आंखमिचौली की बात अलग है। गौरतलब है ऐसा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जब ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम कराने का दावा किया तो नई दिल्ली ने उनके इस दावे का खंडन कर दिया। वहीं रूस-चीन से सीधी शत्रुता मोल नहीं ली। वहीं, गुटनिरपेक्ष भारत ने ग्लोबल साउथ को जो नेतृत्व दिया उससे भी विकसित देश चिढ़े हुए हैं। लिहाजा, सुलगता हुआ सवाल है कि क्या पीएम नरेंद्र मोदी के संभावित सितंबर अमेरिकी दौरा से आपसी रिश्तों में जमी बर्फ कुछ पिघलेगी? यदि हां तो फिर क्या इसके मायने दोनों पक्षों के लिए हितकारी साबित होंगे? उससे भी बड़ा सवाल यह है कि आखिर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप अपने नवोदित पार्टनर भारत और पीएम मोदी के पीछे हाथ धोकर क्यों पड़े हुए हैं? आखिर वो क्या वजह है कि अमेरिका, अपने वैश्विक प्रतिस्पर्धी चीन का घोर विरोधी होने के बावजूद भी उसे अब नजरअंदाज कर रहा है, जबकि पहले सीधे टारगेट पर लिया करता था? यक्ष प्रश्न है कि भारत का नया करीबी पार्टनर होने के बावजूद अमेरिका उसे आंख पर आंख क्यों दिखाता जा रहा है! क्या भारत के साथ जारी टैरिफ युद्ध सिर्फ व्यापार तक सीमित है या फिर इसका अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक एजेंडा कुछ और है? इस लिहाज से प्रासंगिक सवाल है कि क्या ट्रंप सरकार भारत के साथ अपने संबंधों में तनाव बढ़ाकर एक बड़ी वैश्विक भूल कर रही है? या फिर यूरोपीय संघ के देशों, पाकिस्तान और चीन को पुनः पटाने के लिए वह अपने पुराने ढर्रे पर जा रहा है? समझा जाता है कि इन सभी सवालों के उत्तर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सितंबर अमेरिका यात्रा से मिल सकती है। क्योंकि उन्हें 21 वीं सदी का एशियाई बिस्मार्क समझा जाता है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेन्सकी के मुताबिक, यहीं पर उनकी मुलाकात प्रधानमंत्री मोदी से होगी, जैसा कि पीएम मोदी ने उन्हें आश्वस्त किया है। समझा जाता है कि भारतीय विदेश नीति की परिपक्वता से 'खूनी कारोबारी' के रूप में मशहूर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के युद्धोन्मादी एशियाई सपने धरे के धरे रह गए हैं। इसलिए ट्रंप बौखलाए हुए हैं। तभी तो उन्होंने पिछले महीने भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत पारस्परिक टैरिफ लगाया। इसके साथ ही रूसी तेल के आयात पर 25 फीसदी अतिरिक्त जुमार्ना टैरिफ लगाकर इसे बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया। जबकि भारत सरकार ने कहा है कि टैरिफ के मुद्दे पर दोनों देशों की ओर से कई मुद्दों/मोर्चों पर बातचीत चल रही है। लिहाजा, मोदी के अमेरिका दौरे का मुख्य उद्देश्य ट्रंप से व्यापार मुद्दों पर चर्चा करना और टैरिफ समझौता करना हो सकता है। यह भी अजीबोगरीब बात है कि भारत के प्रमुख प्रतिद्वंद्वी देश अमेरिका-चीन की यात्रा प्रधानमंत्री मोदी इसी अगस्त/सितंबर माह में करने वाले हैं, जो उनका जन्म माह भी है। इसलिए करिश्माई परिणाम की उम्मीद रखी जा सकती है। वहीं, मित्र देश रूस के राष्ट्रपति नवंबर-दिसंबर में भारत आएंगे। जबकि भारत के विदेशमंत्री एस जयशंकर 21 अगस्त को रूस में अपने समकक्ष से कूटनीतिक व रणनीतिक साझेदारी बढ़ाने की बात करेंगे। वहीं, अक्टूबर में क्वाड सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के भी भारत आने का कार्यक्रम है, लेकिन उनके बदलते वैश्विक रूख के चलते यह मामला आगे बढ़ेगा या खटाई में पड़ेगा, गुजश्ता वक्त बताएगा।

उल्लेखनीय है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) का 80वां सत्र 9 सितंबर को शुरू होगा। जिसके बाद उच्च स्तरीय सामान्य बहस 23-29 सितंबर तक चलेगी, जिसमें ब्राजील सत्र का पारंपरिक पहला वक्ता होगा, उसके बाद अमेरिका होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 23 सितंबर को प्रतिष्ठित यूएनजीए मंच से विश्व के नेताओं को संबोधित करेंगे। यह व्हाइट हाउस में उनके दूसरे कार्यकाल में संयुक्त राष्ट्र सत्र में उनका पहला संबोधन होगा। जबकि, भारत के शासन प्रमुख पीएम नरेंद्र मोदी 26 सितंबर की सुबह सत्र को संबोधित करेंगे। बताया जाता है कि इसी दिन इजरायल, चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश के राष्ट्राध्यक्ष यानी पीएम और राष्ट्रपति का भी यूएनजीए की आम बहस को संबोधित करने का कार्यक्रम है। ततपश्चात इसका समापन 29 सितंबर को होगा। बता दें कि यह वार्षिक बैठक वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने और समाधानों पर सहयोग करने के लिए संयुक्त राष्ट्र के सभी 193 सदस्य देशों के नेताओं को एक साथ लाती है। बताया जाता है कि इसी अमेरिकी यात्रा के दौरान उनकी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेन्सकी से मुलाकात की संभावना है, जिसके बाद दोनों देशों के नेताओं के बीच अलग-अलग समयों पर व्यापार मुद्दों और युद्ध रोकवाने पर बातचीत हो सकती है। इस बातचीत में अमेरिकी टैरिफ को लेकर पारस्परिक सहमति बनाने पर भी जोर रहेगा। बता दें कि नरेंद्र मोदी और डोनाल्ड ट्रंप की आखिरी मुलाकात फरवरी 2025 में हुई थी जब भारतीय प्रधानमंत्री अमेरिका गए थे। रिपोर्टों के अनुसार, पीएम मोदी की यात्रा की तैयारियां चल रही हैं और अगस्त के अंत तक इसे अंतिम रूप दिया जा सकता है।

गौरतलब है कि अपनी पिछली द्विपक्षीय बैठक के बाद जारी एक संयुक्त बयान में, पीएम मोदी और ट्रंप ने 2025 के अंत तक पारस्परिक रूप से दोनों के लिए फायदेमंद, बहु-क्षेत्र द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) की पहली किश्त पर बातचीत करने की योजना की घोषणा की थी। लेकिन व्यापार वार्ता के बीच ही ट्रंप ने भारत पर कुल 50 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया, जिसमें नई दिल्ली की रूसी तेल की खरीद के लिए 25 प्रतिशत भी शामिल था, जो 27 अगस्त से लागू होगा। वहीं, पिछले सप्ताह ट्रंप के कार्यकारी आदेश में 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने की घोषणा ऐसे समय में हुई है जब अमेरिका और भारत के प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए छठे दौर की वार्ता के लिए अमेरिका की एक टीम 25 अगस्त से भारत का दौरा करने वाली है। दोनों देश इस साल अक्टूबर-नवंबर तक समझौते के पहले चरण को समाप्त करने का लक्ष्य बना रहे हैं।

लिहाजा, इस टैरिफ पर प्रतिक्रिया देते हुए भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि उनके देश को निशाना बनाना अनुचित है। किसी भी प्रमुख अर्थव्यवस्था की तरह, भारत अपने राष्ट्रीय हितों और आर्थिक सुरक्षा की रक्षा के लिए सभी आवश्यक उपाय करेगा। दरअसल, भारत सरकार का कहना है कि हम इन मुद्दों पर पहले ही अमेरिका से अपना रुख स्पष्ट कर चुके हैं। इनमें यह तथ्य शामिल है कि हमारा आयात बाजार की परिस्थितियों पर आधारित है। इसका मकसद भारत की एक अरब 40 करोड़ आबादी की ऊर्जा सुरक्षा को सुनिश्चित करना है।

यही वजह है कि भारत ने अमेरिका के इस टैरिफ सम्बन्धी फैसले को दुर्भाग्यपूर्ण और तर्कहीन करार दिया। पीएम नरेंद्र मोदी ने भी साफ-साफ कहा है कि टैरिफ के मसले पर भारत अपने हितों के साथ कतई समझौता नहीं करेगा। वहीं, भारत के अलावा चीन भी रूस का बड़ा व्यापारिक साझेदार है। चीन भारत के मुकाबले करीब दोगुना रूसी तेल का आयात करता है। फिर भी अमेरिका ने चीन को 90 दिनों की मोहलत दे दी है। लिहाजा, हम इसका भी कारण समझेंगे, लेकिन पहले समझते हैं टैरिफ के कारण भारत को क्या नुकसान उठाना पड़ सकता है।

ऐसे में सवाल है कि आखिर में भारत, अमेरिकी शर्तें क्यों नहीं मान रहा है? तो इसका स्पष्ट जवाब होगा कि ट्रम्प ने लंबे समय से भारत को "टैरिफ किंग" करार दिया है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय के अनुसार, 2024 में 45.8 अरब डॉलर के भारी अमेरिकी माल व्यापार घाटे का सबूत देते हैं, जिससे अर्थव्यवस्था से जुड़े संवेदनशील क्षेत्रों पर वार्ता बार-बार लड़खड़ा गई। ऐसा इसलिए कि भारत ने कृषि और डेयरी उत्पादों पर टैरिफ में कटौती करने से इनकार कर दिया है।

ऐसे में पूरक सवाल यह है कि क्या भारत से रिश्ते खराब करना ट्रंप के लिए बड़ी कूटनीतिक भूल साबित होगी? तो इसका जवाब यही होगा कि भारत के खिलाफ अमेरिकी कार्रवाई बिना सोचे-समझे लिया गया फैसला प्रतीत होता है। ट्रंफ इसके लिए बदनाम भी रहे हैं। इसलिए विशेषज्ञ बताते हैं कि इस टैरिफ बढ़ोतरी का एकमात्र उद्देश्य एक मनोनुकूल राजनीतिक एजेंडा सेट करना है, जो अंतरराष्ट्रीय पैमाने पर लड़खड़ाए अमेरिका की अब प्राथमिक जरूरत बन चुकी है। इसलिए आशंका है कि मौजूदा दंडात्मक शुल्क दोनों देशों के बीच विगत 25-30 वर्षों की कड़ी मेहनत से बनाए गए विश्वास और सहयोग को कहीं खतरे में नहीं डाल दें। यही वजह है कि ट्रंप के पुराने सहयोगी भी उनके इस फैसले से सहमत नहीं बताए जाते हैं। ट्रंप के एक पुराने सहयोगी ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कहा है कि वे ट्रंप के दबाव के आगे न झुकें। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पूर्व सहयोगी जॉन बोल्टन ने भारत के साथ टैरिफ प्रकरण पर अमेरिकी सरकार की आलोचना करते हुए कहा है कि अमेरिका ने भारत को रूस और चीन से दूर करने के दशकों पहले से चले आ रहे प्रयासों को भी खतरे में डाल दिया है। पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने भारत की तुलना में चीन के प्रति ट्रंप के पूर्वाग्रह की भी आलोचना की और कहा कि यह एक 'बहुत बड़ी भूल' साबित हो सकती है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

आजादी के 78 वर्षों में कितने बदले लोकतंत्र के हालात?

-योगेश कुमार गोयल

आजादी के बाद सामाजिक और आर्थिक पहलू पर देश में कमजोर तबके का स्तर सुधारने की नीयत से लागू आरक्षण के राजनीतिक रूप ने देश को आज उस चौराहे पर लाकर खड़ा कर दिया है, जहां समूचा देश रह-रहकर जातीय संघर्ष के बीच उलझता दिखाई देता है। स्वार्थपूर्ण राजनीति ने माहौल को इस कदर विकृत कर दिया है, जहां से निकल पाना संभव ही नहीं दिखता

स्वतंत्रता दिवस को लेकर आज भी देश के प्रत्येक नागरिक के दिलोदिमाग में वही जज्बा और उत्साह समाहित है लेकिन जब हर वर्ष स्वतंत्रता के प्रतीक तिरंगे के नीचे खड़े होकर बहुत सारे ऐसे जनप्रतिनिधियों को देश की रक्षा व प्रगति का संकल्प लेते देखते हैं, जो वर्षभर सरेआम लोकतंत्र की धज्जियां उड़ाते देखे जाते हैं तो मन में यही सवाल उठता है कि आखिर ऐसी संकल्प अदायगी से देश को हासिल क्या होता है? देश को आजाद हुए सात दशक से अधिक हो चुके हैं लेकिन आजादी के इन 78 वर्षों में लोकतंत्र के पवित्र स्थल संसद और विधानसभाओं के हालात किस कदर बदले हैं, वह किसी से छिपा नहीं है, जहां अभद्रता की सीमा पार करते जनप्रतिनिधि गाली-गलौच, उठापटक से लेकर कुर्ता-फाड़ राजनीति तक उतर आते हैं। विधानसभाओं की तो क्या बात करें, जब संसद की कार्यवाही ही कभी विपक्ष और कभी स्वयं सत्ता पक्ष द्वारा ही कई-कई दिनों तक लगातार नहीं चलने दी जाए तो राष्ट्र के लिए इससे ज्यादा चिंतनीय स्थिति और क्या हो सकती है? संसद में होने वाले ऐसे हंगामों के कारण प्रति मिनट आम आदमी के करीब ढ़ाई लाख रुपये बर्बाद होते हैं यानी हर एक घंटे में करीब डेढ़ करोड़ रुपये खर्च होते हैं। अब चूंकि संसद की कार्यवाही प्रतिदिन 6 घंटे चलनी होती है, ऐसे में संसद के दोनों सदनों में दोनों पक्षों के विरोध, हो-हल्ले और शोर के कारण जनता के खून-पसीने की कमाई के प्रतिदिन करीब 9 करोड़ रुपये से अधिक बर्बाद हो जाते हैं।

गंभीर चिंतन का विषय है कि वर्षों की गुलामी के बाद मिली आजादी को आज हम जिस रूप में संजोकर रख पाए हैं, वह 78 वर्षों में ही कितना विकृत हो चुका है। आजादी के दीवानों ने कभी सपने में भी नहीं सोचा होगा कि जिस देश को आजाद कराने के लिए वे इतनी कुर्बानियां दे रहे हैं, वहां कुछ दशकों में ही आजादी की तस्वीर ऐसी हो जाएगी। हालांकि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद देश ने विकास के मार्ग पर तेजी से कदम बढ़ाए और विकास के अनेक सोपान तय किए हैं। तकनीकी कौशल हासिल करते हुए देश अंतरिक्ष तक जा पहुंचा है और चांद पर भी तिरंगा लहरा दिया है। लेकिन महिलाओं से दुर्व्यवहार की लगातार बढ़ती घटनाएं और समाज में अपराधों की बढ़ती सीमा को देख बुजुर्ग तो अब कहने लगे हैं कि गुलामी के दिन तो आज की आजादी से कहीं बेहतर थे, जहां अपराधों को लेकर मन में भय तो व्याप्त रहता था किन्तु कड़े कानून बना दिए जाने के बावजूद अपराधियों के मन में अब किसी तरह का भय नहीं दिखता। सैयां भये कोतवाल तो डर काहे का कहावत हर कहीं चरितार्थ हो चली है। देश के कोने-कोने से सामने आते अबोध बच्चियों और महिलाओं के साथ हो रहे अपराधों के बढ़ते मामले आजादी की बेहद शर्मनाक तस्वीर पेश कर रहे हैं। कोलकाता में महिला डॉक्टर के साथ जिस तरह की दरिंदगी की गई है, ऐसे मामलों को देखते हुए और क्या कहा जाए? देश में महंगाई सुरसा की तरह बढ़ रही है, आतंकवाद की घटनाएं पग पसार रही हैं, आरक्षण की आग रह-रहकर देश को जलाती रहती है। इस तरह के हालात निश्चित तौर पर देश के विकास के मार्ग में बाधक बनते हैं। हर कोई सत्ता के इर्द-गिर्द राजनीतिक रोटियां सेंकता नजर आ रहा है, कोई सत्ता बचाने में लगा है तो कोई गिराने में। संसद और विधानसभाओं में हंगामे आए दिन की बात हो गई है।

आजादी के बाद सामाजिक और आर्थिक पहलू पर देश में कमजोर तबके का स्तर सुधारने की नीयत से लागू आरक्षण के राजनीतिक रूप ने देश को आज उस चौराहे पर लाकर खड़ा कर दिया है, जहां समूचा देश रह-रहकर जातीय संघर्ष के बीच उलझता दिखाई देता है। स्वार्थपूर्ण राजनीति ने माहौल को इस कदर विकृत कर दिया है, जहां से निकल पाना संभव ही नहीं दिखता। राजस्थान हो या उत्तर प्रदेश, हरियाणा हो या गुजरात अथवा महाराष्ट्र, आरक्षण के नाम पर उठते विध्वंसक आन्दोलनों की आग में से जब-तब बुरी तरह झुलसते रहे हैं और हर कोई इस तरह के परिवेश का राजनीतिक लाभ लेने की कवायद में जुटा नजर आता है। आजादी के बाद के इन करीब साढ़े सात दशकों में भ्रष्टाचार और अपराध इस कदर बढ़ गए हैं कि आम आदमी का जीना दूभर हो गया है। बगैर लेन-देन के प्रायः कोई कार्य सम्पन्न नहीं होता। बड़े नेता की तो कौन कहे, छुटभैया नेताओं की भी चांदी हो चली है। आजादी के बाद लोकतंत्र के इस बदलते स्वरूप ने आजादी की मूल भावना को बुरी तरह तहस-नहस कर डाला है। यह आजादी का एक शर्मनाक पहलू ही है कि गिने-चुने मामलों को छोड़कर हत्या, भ्रष्टाचार, बलात्कार जैसे संगीन अपराधों से विभूषित जनप्रतिनिधि अक्सर सम्मानित जिंदगी जीते रहते हैं। देश के ये बदले हालात आजादी के कौनसे स्वरूप को उजागर कर रहे हैं, विचारणीय है।

ऐसे बदरंग हालातों में यह सवाल रह-रहकर सिर उठाने लगता है कि आखिर कैसी है ये आजादी? आखिर आजादी का अर्थ क्या है? इस प्रश्न का उत्तर तब तक नहीं दिया जा सकता, जब तक कि यह न जान लिया जाए कि स्वतंत्र होना आखिर कहते किसे हैं? देश को? व्यक्ति को? समाज को? यह जानना भी जरूरी है कि क्या कुछ बुनियादी मानवाधिकारों से वंचित व्यक्ति, समाज या देश को स्वतंत्र कहा जा सकता है? क्या भोजन, कपड़ा और रहने की व्यवस्था, बीमारी से बचाव, भय-आतंक, शोषण व असुरक्षा से छुटकारा, साक्षर एवं शिक्षित होने के पर्याप्त अवसर मिलना और अन्य ऐसी ही कई बातें मानव के बुनियादी अधिकार नहीं हैं? क्या शोषण और उत्पीड़न से मुक्ति के संघर्ष को मानव का बुनियादी अधिकार नहीं माना जाना चाहिए? लोकतंत्र के हाशिये पर खड़ी देश की जनता को इस दिशा में फिर से मंथन करना आवश्यक हो गया है कि वह किस तरह की आजादी की पक्षधर है? आज की आजादी, जहां तन के साथ-साथ मन भी आजाद है, सब कुछ करने के लिए, चाहे वह वतन के लिए अहितकारी ही क्यों न हो, या उस तरह की आजादी, जहां वतन के लिए अहितकारी हर कदम पर बंदिश हो। आज की आजादी, जहां स्वहित राष्ट्रहित से सर्वोपरि होकर देशप्रेम की भावना को लीलता जा रहा है, या वह आजादी, जहां राष्ट्रहित की भावना सर्वोपरि स्वरूप धारण करते हुए देश को आजाद कराने में गुमनाम लाखों शहीदों के मन में उपजे देशप्रेम का जज्बा सभी में फिर से जागृत कर सके।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

गाजा से लोगों को हटाना नरसंहार की नई लहर

(एजेन्सी)।

फिलिस्तीनी उग्रवादी समूह हमास ने रविवार को इजराइल की नई योजना को 'नरसंहार और विस्थापन की एक नई लहर' बताया है। यह योजना गाजा शहर के निवासियों को दक्षिणी गाजा में स्थानांतरित करने की है। हमास ने इसे 'सरासर धोखा' करार दिया। इजराइली सेना ने कहा है कि वह गाजा के निवासियों को युद्ध क्षेत्रों से सुरक्षित स्थानों पर ले जाने के लिए दक्षिणी गाजा में तंबू और अन्य आश्रय सामग्री उपलब्ध कराने की तैयारी कर रही है। इसके जवाब में, हमास ने एक बयान में कहा कि मानवीय सहायता के नाम पर तंबू लगाना सिर्फ एक दिखावा है, जिसका मकसद एक 'क्रूर अपराध' को छुपाना है, जिसे इजराइल अंजाम देने की तैयारी कर रहा है। इजराइल ने इस महीने की शुरूआत में घोषणा की थी कि वह गाजा के सबसे बडे शहरी केंद्र, उत्तरी गाजा शहर पर नियंत्रण हासिल करने के लिए एक नया आक्रमण शुरू करेगा। इस योजना ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता बढा दी है, क्योंकि गाजा में लगभग 22 लाख लोग रहते हैं। यह युद्ध 7 अक्टूबर, 2023 को शुरू हुआ था, जब हमास ने दक्षिणी इजराइल पर हमला किया था। इस हमले में 1,200 लोग मारे गए और 251 लोगों को बंधक बना लिया गया था। माना जाता है कि बंधक बनाए गए लोगों में से लगभग 20 अभी भी गाजा में जीवित हैं। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, हमास के खिलाफ इजराइल के बाद के सैन्य हमलों में 61,000 से ज्यादा फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं। इस युद्ध के कारण गाजा में भुखमरी का संकट भी पैदा हो गया है, अधिकांश आबादी विस्थापित हो चुकी है और पूरा इलाका खंडहर में तब्दील हो गया है।

न्यूयॉर्क सिटी क्लब में गोलीबारी से तीन की मौत, आठ अन्य घायल

(एजेन्सी)।

अमेरिका में न्यूयॉर्क शहर के एक भीड़भाड़ वाले क्लब में रविवार तड़के हुई गोलीबारी की घटना में तीन लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। न्यूयॉर्क पुलिस विभाग की आयुक्त जेसिका टिश ने संवाददाताओं को बताया कि जांचकर्ताओं का मानना है कि हमलावर या हमलावरों ने स्थानीय समयानुसार तड़के करीब 3:30 बजे से पहले एक विवाद के बाद ब्रुकलिन के क्राउन हाइट्स स्थित टेस्ट ऑफ द सिटी लाउंज में कई हथियारों से गोलीबारी की, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई।

टिश ने एक प्रेस वार्ता में कहा, न्यूयॉर्क शहर में हुई यह गोलीबारी की एक भयावह घटना है। उन्होंने कहा कि अधिकारी लाउंज से मिले कम से कम 36 खोखों और पास की एक गली में मिली एक बंदूक की भी जांच कर रहे हैं। टिश के मुताबिक, गोलीबारी में घायल हुए लोगों में तीन महिलाएं भी शामिल हैं जिन्हें अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी घायल खतरे से बाहर हैं और उनकी उम्र 27 से 61 साल के बीच है।

दुनिया के सारे मुसलमानों ने इनकी... इरफान पठान ने पाकिस्तानियों को दिखाया आईना

(एजेन्सी)।

भारत के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने पाकिस्तान पर तीखा हमला बोला है। दरअसल, उन्होंने कहा है कि, पाकिस्तान वाले पूरी दुनिया के मुसलमानों के ठेकेदार बनने की कोशिश करते हैं। उन्होंने पाकिस्तान को खुद पर ध्यान देने की सलाह दी है। इरफान पठान ने ये बात पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शाहिद अफरीदी से जुड़ा किस्सा सुनाते हुए कही। इरफान पठान ने कहा कि शाहिद अफरीदी ने एक बार इंटरव्यू के दौरान खुद को असली पठान और उनको नकली पठान बताया था। इससे उन्हें अपमान महसूस हुआ था। लल्लनटॉप को दिए एक इंटरव्यू में इरफानने बताया कि एक बार फ्लाइट में शाहिद अफरीदी से उनकी लड़ाई हो गई थी, जब भारतीय टीम 2006 में पाकिस्तान दौरे पर गई थी। इरफान पठान ने कहा कि, पाकिस्तानियों को न ये लगता है कि दुनियाभर के सारे मुसलमान हैं दुनिया के उनकी जो जिम्मेदारी उन्होंने ले रखी है। उनकी ये गलतफहमी है जो मुझे लगता है कि यार थोड़ा सा ठहरो। थोड़ा रुको। अपने आप पे थोड़ा पहले ध्यान दो। ये बड़ी चीज है। मतलब आप ऐसा मत करिए क्योंकि मैंने पर्सनल लेवल पर महसूस किया है। दूसरा जब मैं आया तो हर्षा भोगले साहब का एक इंटरव्यू था उनके के साथ। मतलब हर्षा भोगले ने काउंटर नहीं किया। उस बात के लिए मैंने कभी हर्षा भाई को ये बोला नहीं लेकिन हर्षा भाई को काउंटर करना चाहिए। इरफान आगे कहते हैं कि, पठानों के बारे में बात थी। बोले मैं असली पठान हूं वो नकली पठान है। ऐसा मुझे कहा। बदतमीज आदमी है। तो मुझे ये लगा कि आप सिर्फ मेरे बारे में बात नहीं कर रहे हैं आप मेरे वालिदैन (माता-पिता) के बारे में बात रहे हैं। जो आपको नहीं करना चाहिए। आप नहीं करते ये बात तो मुझे आपसे कोई प्रॉब्लम ही नहीं है। आप खेलो, हम खेलें हम चले जाएंगे। लेकिन आप पर्सनल हो रहे हो। ये सही नहीं है। तो जब-जब मेरे हाथ में बॉल था। मेरे जेहन में ता इसको तो मैं आउट कर दूंगा। मैं आउट करके 11 बार बता चुका हूं कि असली पठान कौन है?

गोदरेज प्रॉपर्टीज का शुद्ध ऋण पहली तिमाही में 42 प्रतिशत बढ़कर 4,637 करोड़ रुपये हुआ

(एजेन्सी)।

रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज का शुद्ध ऋण चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 42 प्रतिशत बढ़कर 4,637 करोड़ रुपये हो गया है। कंपनी यह कर्ज इसलिए ले रही है ताकि बढ़ती हुई घरों की मांग को पूरा करने के लिए नई बड़ी परियोजनाएं शुरू कर सके। मार्च, 2025 के अंत तक कंपनी का कुल कर्ज 3,269 करोड़ रुपये था। गोदरेज प्रॉपर्टीज के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) गौरव पांडेय ने बताया कि कंपनी ने अपने कर्ज की एक सीमा तय की है, जो 10,000 करोड़ रुपये है। इसका मतलब है कि उनके पास अभी और कर्ज लेने की काफी गुंजाइश है।

विश्लेषकों के साथ एक कॉन्फ्रेंस कॉल में गोदरेज प्रॉपर्टीज के प्रबंध निदेशक और सीईओ पांडेय ने कहा, ऋण के नजरिये से हमने कुल कर्ज की अधिकतम सीमा 10,000 करोड़ रुपये तय की है। हमारे पास अभी काफी गुंजाइश है और इस सीमा तक जाने पर भी हमारा अनुपात केवल लगभग 0.5 या उससे थोड़ा अधिक ही रहेगा। उन्होंने कहा, हमारे पास पैसे की कोई कमी नहीं है। हमारे पास कामकाज से भी पैसा आ रहा है और जरूरत पड़ने पर हम थोड़ा और कर्ज भी ले सकते हैं। पांडेय ने कहा, इस साल हमारा कर्ज कितना होगा, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि हम 20,000 करोड़ रुपये के तय लक्ष्य से कितनी ज्यादा जमीनें खरीद पाते हैं।

कंपनी पिछले कुछ साल से नई बड़ी परियोजनाओं के लिए जमीन खरीदने में बहुत तेजी दिखा रही है। इस साल, यानी वित्त वर्ष 2025-26 के लिए, कंपनी ने 20,000 करोड़ रुपये की नई आवसीय परियोजना शुरू करने का लक्ष्य रखा है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में, कंपनी ने मुंबई, पुणे, बेंगलुरु और पानीपत में पांच नई जमीनें खरीदी हैं।

'द बंगाल फाइल्स' के ट्रेलर लॉन्च पर बवाल

(एजेन्सी)। कोलकाता में निर्देशक विवेक अग्निहोत्री की फिल्म 'द बंगाल फाइल्स' का ट्रेलर लॉन्च विवादों में घिर गया। एक सिनेमाघर में निर्धारित इवेंट को अचानक रद्द कर दिया गया, जिसके बाद टीम ने एक होटल में ट्रेलर लॉन्च की कोशिश की, लेकिन वहां भी जोरदार हंगामा हुआ। स्थिति इतनी बिगड गई कि विवेक अग्निहोत्री, उनकी पत्नी और अभिनेत्री पल्लवी जोशी को सुरक्षा के लिए पुलिस बुलानी पडी और वेन्यू छोडकर जाना पडा। विवेक अग्निहोत्री ने पश्चिम बंगाल की ममता सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने सवाल उठाया कि उनकी फिल्म में ऐसा कुछ भी नहीं है कि ट्रेलर लॉन्च में अडचन डाली जाए। उन्होंने इस घटना को 'तानाशाही' बताया। इवेंट में मौजूद पल्लवी जोशी ने भी अपना गुस्सा जाहिर किया। उन्होंने कहा, 'मुझे अपनी फिल्म को रोके जाने का तरीका बिल्कुल पसंद नहीं आया।

बनारस बार में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया 79वां स्वतंत्रता दिवस

■ जिला जज जय प्रकाश तिवारी ने किया झंडारोहण
■ उड़ाका दल के सदस्यों का हुआ सम्मान

संजना भारती संवाददाता

वाराणसी। बनारस बार एसोसिएशन में 79वां स्वतंत्रता दिवस का कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सर्वप्रथम सुबह जिला जज जय प्रकाश तिवारी ने न्यायिक अधिकारियों और अधिवक्ताओं के साथ झंडारोहण किया गया। झंडारोहण के बाद बनारस बार के सभागार में देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में बृष्टि चक्रवर्ती और प्रिया जायसवाल के निर्देशन में भारतीय सेना के शौर्य और बलिदानी पर समर्पित आपरेशन सिन्दूर पर कलाकारों द्वारा नृत्य नाटिका प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात अनूप सिन्हा के संयोजन में फिरदौस, रश्मि और पूजा ने देशभक्ति से ओतप्रोत गीत संगीत की मनोहारी प्रस्तुति दी। समारोह में पचास वर्ष से ऊपर के प्रैक्टिशनर अधिवक्ताओं और अधिवक्ता जांच समिति के सदस्यों को सम्मानित भी किया गया।

समारोह का संचालन महामंत्री शशांक श्रीवास्तव ने किया तथा अध्यक्षता बनारस बार के अध्यक्ष सतीश तिवारी ने किया। इस अवसर पर जिला जज प्रकाश तिवारी, अपर जिला जज रविन्द्र श्रीवास्तव, एडीजे देवकांत शुक्ला, एडीजे यजुर्वेन्द्र विक्रम सिंह, सीजेएम मनीष कुमार, नित्यानंद राय, धीरेन्द्र श्रीवास्तव, दिवाकर दूबे, कमलेश यादव, गौतम कुमार झा आदि अधिवक्ता उपस्थित थे।

स्वतंत्रता दिवस पर झंडारोहण करते हुए जिला जज जय प्रकाश तिवारी। (छाया: एसबी)

उड़ाका दल के सदस्य अधिवक्ता गौतम कुमार झा को स्वतंत्रा दिवस पर सम्मानित करते हुए बनारस बार के अध्यक्ष सतीश तिवारी। (छाया: एसबी)

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आन-बान-शान से खानपुर प्रखंड मुख्यालय परिसर व खानपुर थाना परिसर सहित क्षेत्र में जगह-जगह तिरंगा झंडा को सलामी देकर लहराया गया तिरंगा झंडा

■ खानपुर थाना परिसर में नए थानाध्यक्ष रंजीत कुमार चौधरी ने दिया तिरंगा झंडा को सलामी

संजना भारती संवाददाता
अर्जुन कुमार झा

समस्तीपुर/खानपुर। 79वां स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर गुरुवार खानपुर प्रखंड मुख्यालय परिसर में प्रखंड उपप्रमुख अमरेंद्र कुमार राय ने तिरंगा झंडा को सलामी दिया। वही खानपुर थाना परिसर को बेलूम एंव अन्य सामग्री से सजा कर खानपुर थाना के नए थानाध्यक्ष रंजीत कुमार चौधरी ने धूम धाम से राष्ट्रीय सैलूट के साथ तिरंगा झंडा को दिया सलामी। खानपुर मनरेगा भवन परिसर में कार्यक्रम पदाधिकारी शशिकांत श्रीवास्तव ने तिरंगा झंडा को सलामी दिया। दिनमनपुर दक्षिणी पंचायत भवन परिसर में मुखिया गोविंद पासवान ने धूम धाम से तिरंगा झंडा को सलामी दिया। ग्राम कचहरी दिनमनपुर दक्षिणी पंचायत भवन परिसर में सरपंच लालबाबू राम ने धूम धाम से तिरंगा झंडा को सलामी दिया।

वही खानपुर पंचायत भवन परिसर सहित सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों व सभी पंचायत भवन परिसर सहित आस पास के विभिन्न क्षेत्रो में जगह जगह धूमधाम से तिरंगा झंडा को सलामी देकर फहराया गया झंडा। वही खानपुर प्रखंड मुख्यालय से लेकर गाँव तक उत्सवी माहौल बना रहा। इस अवसर पर सभी सरकारी व गैर सरकारी कार्यालयों, विद्यालयों, संस्थानों और सार्वजनिक स्थलों पर आन बान शान के साथ तिरंगा झंडा को सलामी देकर फहराया झंडा गया। तथा तिरंगा झंडा फहरा कर देश की आजादी के लिए अपने सर्वोच्च बलिदान देने वाले अमर शहीदों के नामों के नारे व उनके वीर गाथाओं को याद कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। 79वां स्वतंत्रता दिवस को लेकर सुबह से ही धूम मची रही। हर गली, मोहल्ला से अहले सुबह से ही देशभक्त की गीतों की गूंज सुनाई देने लगी। हर तरफ हर्ष एवं उत्साह का माहौल बना रहा। कई जगह शिक्षण संस्थानों में प्रभात फेरी निकाली गयी।

भू-अभिलेखों को अद्यतन करने हेतु 16 अगस्त से शुरू हुआ राजस्व महाअभियान

संजना भारती संवाददाता
मृगांक शेखर सिंह

जमुई। हर घर तक पहुंचेगी जमीन से जुड़ी जरूरी सुधारों की सुविधा-जमुई के जिलाधिकारी श्री नवीन स्वयं अभियान की कर रहे हैमॉनिटरिंग। जमुई अंचल एवं रायपुरा पंचायत खैरा अंचल में जाकर लिया स्थिति का जायजा।

बिहार सरकार के राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग की ओर से 16 अगस्त से 20 सितंबर तक राज्यव्यापी राजस्व महाअभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य है कि जनता को उनकी जमीन से जुड़े दस्तावेजों में त्रुटि सुधार, उत्तराधिकार नामांतरण, बंटवारा नामांतरण और छूटी हुई जमाबंदियों को ऑनलाइन करने की सुविधा सीधे उनके द्वार तक उपलब्ध कराई जा सके।

जिले में व्यापक तैयारी, घर-घर पहुंचेंगी राजस्व टीमें-जिला पदाधिकारी श्री नवीन ने बताया कि 16 अगस्त से हल्का वार नामित कर्मी घर-घर जाकर लोगों को प्रपत्र देंगे। तीन दिन बाद से इन प्रपत्रों की प्राप्ति की जाएगी। इसके लिए पंचायतवार शिविर आयोजित होंगे, जहां आवेदन पत्रों की जांच और निस्तारण किया जाएगा। उन्होंने सभी अंचल अधिकारियों को निर्देश दिया है कि पंचायतवार रोस्टर के अनुसार घर-घर जाकर प्रपत्र बांटे और शिविरों का आयोजन सुनिश्चित करें।

त्रुटि सुधार और नामांतरण की मिलेगी सुविधा-इस अभियान के अंतर्गत-डिजिटाइज्ड जमाबंदी में त्रुटि सुधार।

छूटी हुई जमाबंदी को ऑनलाइन करना। उत्तराधिकार नामांतरण। संयुक्त संपत्ति का बंटवारा नामांतरण, नाम, खाता, खेसरा, रकबा, लगान जैसी अशुद्धियों का सुधार जैसे कार्य किए जाएंगे। सभी आवेदन पंचायत के सरकारी भवनों में आयोजित हल्का शिविरों में स्वीकार किए जाएंगे। नागरिक सुविधा और पारदर्शिता पर जोर।

डीएम श्री नवीन ने निर्देश दिया कि प्रत्येक चरण में समयबद्धता, पारदर्शिता और नागरिक सुविधा का पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रारंभ हो चुके राजस्व महाअभियान के अंतर्गत सभी प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी तथा प्रतिनियुक्त कर्मीगण अंचल द्वारा तैयार माइक्रोप्लान के अनुसार आवंटित हल्का एवं मौजा में जमाबंदी पंजी का वितरण सुनिश्चित करेंगे। इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी।

सभी प्रखंडों के वरीय प्रभारी पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी एवं भूमि सुधार उप-समाहर्ता उक्त महाअभियान के दौरान अपने-अपने प्रखंड/अनुमंडल का भ्रमण करते हुए इसका अनुश्रवण करेंगे। सभी अंचल अधिकारी 16.08.2025 से 20.09.2025 तक चलने वाले इस महाअभियान के दौरान प्रतिदिन का प्रतिवेदन विभागीय पोर्टल पर अपलोड करेंगे तथा उसकी एक प्रति जिला राजस्व शाखा में जमा करना सुनिश्चित करेंगे।

आम जनता के लिए सूचना-लोग अपनी जमीन से जुड़े सुधार संबंधी कार्यों के लिए अब दफ्तरों के चक्कर काटने के बजाय घर पर ही प्रपत्र प्राप्त कर सकते हैं और नजदीकी शिविरों में आवेदन जमा कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए विभाग की आधिकारिक वेबसाइट https://biharbhumi.bihar.gov.in एवं जिला प्रशासन के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध सूचना का लाभ उठाया जा सकता है।

सिद्धि एक सामाजिक सहायातार्थ संस्थान द्वारा 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

संजना भारती संवाददाता
त्रिलोक चन्द

नई दिल्ली। करावल नगर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत तुकमीरपुर में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सिद्धि एक सामाजिक सहायातार्थ संस्थान द्वारा 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में खजूरी स्थित सरकारी स्कूल के उप-प्रधानाचार्य कृष्णपाल सिंह के कर कमलों द्वारा झंडा फहराया गया उसके उपरांत राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत भी गाया गया इस अवसर पर अंकेश कुमार, पंचम सिंह रावत, जनसहयोग रामलीला कमेटी के अध्यक्ष सुनील राय, भाजपा सादतपुर मण्डल अध्यक्ष राकेश डेढा, विनीत झा, पूर्व मंडल अध्यक्ष कालीचरण शर्मा, महेंद्र अग्रवाल, ऋषि पाल सिंह तोमर, जवाहर सिंह, विपिन रोहिल्ला, राजेंद्र प्रसाद, सीपी सोलंकी, रतन सिंह चमोला, इंदर सिंह बिष्ट, सोनू राणा क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने ध्वज फहरते हुए ध्वज को सलामी दी।

इस अवसर पर देशभक्ति गीत और रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम बच्चों द्वारा किया गया। कार्यक्रम के पश्चात आए हुए अतिथियों का सम्मान और कार्यक्रम में भाग लेने वाले बच्चों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के पश्चात संस्था के संस्थापक रामदत्त पांडे ने सभी को स्वतंत्रता दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दी और सभी का अभिवादन किया।

वहीं संस्था के संस्थापक रामदत्त पांडे ने बताया कि यह संस्था हर तरह के सामाजिक कार्यक्रम बीच-बीच में करती है जैसे आंखों के चैकअप ओर स्वस्थ की जांच के अलावा गरीब और बेसहारा लोगों की सहायता भी करती है।

आज मनायी जायेगी पद्मविभूषण डा. आदित्यनाथ झा की जयंती

■ पूर्व केंद्रीय मंत्री एमएलसी संजय पासवान होंगे मुख्य अतिथि

एसबी संवाददाता

वाराणसी। सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के प्रथम कुलपति और दिल्ली प्रदेश के प्रथम उपराज्यपाल पद्मविभूषण डा आदित्यनाथ झा (आईसीएस) की जयंती समारोह काशी की प्रमुख सामाजिक, साहित्यिक और सांस्कृतिक संगठन मैथिल समाज, उत्तर प्रदेश और सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आज अपराह्न 3 बजे परिसर स्थित (संवाद कक्ष) योग साधना केंद्र में प्रो बिहारी लाल शर्मा कुलपति सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय की अध्यक्षता और मुख्य अतिथि प्रो संजय पासवान (सदस्य बिहार विधान परिषद) पूर्व केन्द्रीय मंत्री मानव संसाधन राज्यमंत्री के आतिथ्य में होगीयह जानकारी कार्यक्रम संयोजक गौतम कुमार झा एडवोकेट ने दी।

अपराध निरोधक कमेटी ने जेल में किए फल वितरित

एसबी ब्यूरो प्रमुख इंतजार हुसैन

बदायूं। परम आदरणीय एवं यशस्वी चेयरमैन माननीय कमलेश श्रीवास्तव जी, उत्तर प्रदेशीय अपराध निरोधक समिति, लखनऊ के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में, जिला अपराध निरोधक कमेटी, बदायूं के ज़िला सचिव/पदेन जेलवीक्षक मुहम्मद शमसुद्दीन शम्स के नेतृत्व में स्वतंत्रता दिवस, चेहल्लुम, जन्माष्टमी के पावन अवसर पर ज़िला कारागार में फल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत जिला कारागार, बदायूं में निरुद्ध महिला एवं पुरुष बंदियों को फल वितरित किए गए। कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल स्वतंत्रता दिवस के महत्व को साझा करना था, बल्कि कारागार में बंदियों के मनोबल को बढ़ाना और उन्हें सुधार एवं पुनर्वास की प्रेरणा देना भी था।

कार्यक्रम में जिला सचिव मुहम्मद शमसुद्दीन शम्स सहित कमेटी के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर बंदियों के साथ स्वतंत्रता दिवस की खुशी साझा की और उन्हें यह संदेश दिया कि जीवन में परिस्थितियाँ चाहे कैसी भी हों, सकारात्मक सोच और अच्छे कार्यों से एक नया भविष्य बनाया जा सकता है। जेल अधीक्षक राजेंद्र कुमार ने कमेटी के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम बंदियों के मानसिक स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव डालते हैं और उन्हें समाज में पुनः जुड़ने की राह दिखाते हैं।

जहाँ कमेटी के खिजर अहमद, डॉ नेत्रपाल सिंह शैलानी, सी पी सिंह, डॉ संजीव कुमार शाक्य, अहमद नबीं, मीडिया प्रभारी इंतजार हुसैन, सचिन शर्मा, मीना सिंह, तारिक अब्दुल्लाह आदि सदस्य एवं जेलर कुंवर रणंजय सिंह, उप जेलर मोहम्मद खालिद, उप जेलर अनन्या अत्री, चीफ हेडवार्डर सुनील कुमार पाण्डेय, अम्बरीष आदि जेल स्टाफ ने देश की एकता, अखंडता और प्रगति के लिए संकल्प लिया।

बिहार राज्य किसान सभा खानपुर अंचल किसान कौंसिल का प्रथम सम्मेलन सीताराम राम की अध्यक्षता में आयोजित

संजना भारती संवाददाता
अर्जुन कुमार झा

समस्तीपुर। बिहार राज्य किसान सभा समस्तीपुर जिला खानपुर अंचल किसान कौंसिल का प्रथम सम्मेलन सीताराम राम की अध्यक्षता में आयोजित की गई। सम्मेलन में सर्वप्रथम झंडोतोलन कर शहीद वेदी पर माल्यार्पण की गई। सम्मेलन का विधिवत उद्घाटन किसान सभा के राज्य उपाध्यक्ष विधायक अजय कुमार ने किसान सभा के इतिहास एवं किसानों का संघर्ष पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए आने वाले दिनों में प्रखंड के सभी पंचायतों में किसानों को संगठित कर अधिकार के लिए संघर्ष करने का आवाहन किया।

संगाठनिक रिपोर्ट पेश किया जिस पर 8 साथियों ने बहस कर सर्वसम्मति से रिपोर्ट पास किया गया। सम्मेलन में 15 सदस्यीय नई कमिटी बनाई गई जिसमें सचिव सीताराम राम, अध्यक्ष रामाशंकर सक्सेना, कोषाध्यक्ष उमेश साह, उप सचिव महेश राय एवं अमित सहनी, वही उपाध्यक्ष कल्पू राम एवं पुनम देवी चुने गए।

समापन भाषण करते हुए जिला मंत्री सत्यनारायण सिंह ने कहा आज के शासक वर्गों गलत कृषि नीति के कारण किसानों को मुनाफे की बात दुर लागत पूंजी भी वापस नहीं मिल पाता है। जिसे ज़िले के अन्दर बड़े पैमाने पर रासायनिक खाद की कालाबाजारी किया जा रहा है। जिला प्रशासन मुकदर्शक बनें हुए हैं।

इस अवसर पर सत्यनारायण सिंह, प्रेमानंद सिंह, विजय कुमार आजाद, कल्पू राम, शिवराम महतो, अमित साहनी राधेश्याम सहित सैकड़ों किसानों ने भाग लिया।

किरण नेत्रालय सेवा समिति बरौनी में मुफ्त आंख जांच कैंप

■ 250 से अधिक लोगों की हुई आंख व चश्मा जांच

एसबी ब्यूरो

बरौनी/बेगूसराय। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर शुक्रवार को किरण नेत्रालय सेवा समिति फूलवड़िया बरौनी में नेत्रालय के निदेशक सह आंख रोग विशेषज्ञ डॉ. अजीत कुमार के द्वारा मुफ्त आंख जांच कैंप लगाया गया।

उक्त कैंप में बरौनी, तेघड़ा, बीहट, खगड़िया, समस्तीपुर, लखीसराय समेत अन्य जगहों से लोग अपनी आंखों व चश्मा की जांच कराने पहुंचे। जहां डॉ.अजीत कुमार व उनकी टीम द्वारा सभी आये हुये लोगों की आंख व चश्मा जांच किया गया। उक्त शिविर में 250 से अधिक लोगों की आंख व चश्मा जांच कर जरूरतमंदों को दवाई भी दी गई। डॉ. अजीत ने बताया कि आजके शिविर में 25 लोगों को मोतियाबिंद की पहचान की गई। उन्होंने कहा कि 40 वर्ष के बाद लोगों को आंखों में विभिन्न प्रकार की समस्या उतपन्न होना शुरू हो जाता है। इसलिए लोगों को समय समय पर अपनी आंखों की जांच अवश्य करवानी चाहिए।

वहीं डॉ.अजीत कुमार ने बताया कि पिछले 20 वर्षो से स्वतंत्रता दिवस के मौके पर हर साल गरीबों को मुफ्त इलाज के लिए आयोजन किया जाता है। कैम्प में आये रोगियों को आंख जांच करने के बाद मुफ्त में दवा चश्मा सहित अन्य सामग्री दी गई। इस शिविर को सफल बनाने में ऑप्टोमेट्री राहुल कुमार, बादल कुमार, मनु कुमार, अमर कुमार, प्रशांत, ईशान, सूरज कुमार आदि ने योगदान दिया। मुफ्त आंख शिविर से इलाके के लोगों में खुशी जाहिर होती है।

इस निःशुल्क आंख जांच कैम्प से गरीब लोगों का इलाज होना संभव हो पता है। इस तरह का मुफ्त आंख जांच शिविर आयोजन करने से इलाके के गरीबों को बहुत फायदा होता है।

'सुशासन का सार-आपके द्वार' अभियान की हुई शुरूआत

एसबी ब्यूरो

चेरिया बरियारपुर(बेगूसराय)। रविवार को जदयू बेगूसराय जिला के 141 चेरिया बरियारपुर विधानसभा क्षेत्र के चेरिया बरियारपुर प्रखंड के सकरवासा पंचायत के मोहनपुर टोला में 'सुशासन का सार-आपके द्वार' कार्यक्रम की शुरूआत प्रखंड अध्यक्ष जियाउल्लाह के द्वारा चेरिया बरियारपुर प्रखंड के सकरवासा पंचायत के मोहनपुर महादलित टोला में आयोजित किया गया। साथ ही खोदावंदपुर प्रखंड के नुरुल्लापुर में प्रखंड अध्यक्ष मनीष कुमार के द्वारा आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में जदयू जिला संगठन प्रभारी शिवनंदन सिंह, ऑर्थोपेडिक सर्जन सह प्रदेश सलाहकार समिति सदस्य डॉ. प्रवीण कुमार, पूर्व मंत्री मंजू वर्मा, रोसरा विधानसभा प्रभारी बिपिन मिश्रा, प्रदेश महासचिव किसान प्रकोष्ठ विकाश कुशवाहा, जिला सचिव संजय सिंह, तकनिकी प्रकोष्ठ के पूर्व जिलाध्यक्ष मुकेश राय, नगर उपाध्यक्ष हरेकृष्ण महतो, शिक्षा प्रकोष्ठ के नगर अध्यक्ष ललन शर्मा, अल्पसंख्यक प्रखंड अध्यक्ष मो. अखलाक, पंचायत अध्यक्ष रामाशीष, युवा प्रखंड अध्यक्ष भोला चन्द्रशेखर महतो, सीताराम दास, मंटुन यादव सहित कई कार्यकर्त्ताओं ने घर-घर जाकर माननीय मुख्यमंत्री के द्वारा कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी बुकलेट के माध्यम से आम जनता के बीच दिया गया। एक करोड़ 67 लाख उपभोक्ताओं को 125 यूनिट बिजली मुक्त 400 की जगह प्रतिमाह 1100 सामाजिक सुरक्षा पेंशन, सात निश्चय-2 के तहत घोषित 20 लाख नौकरी एवं रोजगार की जगह 50 लाख लोगों को नौकरी और रोजगार देने के बाद अब अगले 5 साल में युवाओं के लिए एक करोड़ नौकरी और रोजगार की व्यवस्था की जाएगी।

आम लोगों ने भी माननीय मुख्यमंत्री जी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि 'नहीं थमेगी विकास की रफ्तार, फिर से लाएंगे एनडीए सरकार।

धर्म, न्याय और सच्चाई के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं भगवान श्रीकृष्ण : विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन और उनकी शिक्षाएं हमें धर्म, न्याय और सच्चाई के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती हैं। उन्होंने अपने जीवन और मार्गदर्शन से समाज को नई दिशा दी। हमें भी उनके दिखाए रास्ते पर चलकर समाज सेवा और सुधार के कार्यों को आगे बढ़ाना चाहिए। विधानसभा अध्यक्ष शनिवार को जन्माष्टमी के अवसर पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए। उन्होंने मनीराम मंडी, बरसत और एसडी मंदिर में आयोजित आयोजनों में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप को झूला झुलाया और उनकी प्रतिमा के समक्ष माथा टेककर आशीर्वाद लिया। हरविन्द्र कल्याण ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि आध्यात्मिकता हमारी संस्कृति और सभ्यता का मजबूत आधार है।

विधायक योगेंद्र राणा ने असन्ध विधानसभा की 7 गौशाला को भेंट किये 81 लाख 62 हजार 550 रुपये की राशि के चेक

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असंध। जन्माष्टमी के पावन पर्व पर हरियाणा सरकार द्वारा प्रदेश की गौशालाओं के सुगम संचालन हेतु सहयोग राशि के चेक वितरित किए गए। इसी कड़ी में विधायक योगेंद्र राणा के विशेष प्रयासों से असंध विधानसभा क्षेत्र की गौशालाओं को 1 करोड़ से भी अधिक की राशि प्रदान की गई है। विधायक ने विभिन्न गांवों की गौशाला में जाकर निर्माण कार्यों के लिए कुल 81 लाख 62 हजार 550 रुपये की राशि के चेक भेंट किये। सर्वप्रथम गांव जुंडला में पहुंचकर विधायक योगेंद्र राणा ने सभी को जन्माष्टमी पर्व की बधाई दी और बाबा श्याम के मंदिर में नतमस्तक होते हुए सभी देशवासियों के लिए मंगल कामना की।

विधायक द्वारा जिन गौशालाओं को यह राशि प्रदान की गई है, उनमें गांव जुंडला की गौशाला में 22 लाख 56 हजार 750 रुपए, पाढा में 81 हजार 450,उपलाना में 28 लाख 12 हजार 500, असंध में 17 लाख 89 हजार 200, अरडाना में 4 लाख 88 हजार 700, बाहरी में 6 लाख 84 हजार तथा बहलोलपुर में 49 हजार 950 रुपए की राशि का चेक शामिल हैं। विधायक ने कहा की आने वाले दिनों में शेष गौशालाओं में भी ये सहयोग राशि के चेक वितरित किये जायेंगे।

ज्ञात हो कि पूरे हरियाणा में गौशालाओं के लिए मुख्यमंत्री द्वारा 88 करोड़ रुपए का बजट निर्धारित किया गया था। यदि इसे 90 विधानसभा क्षेत्रों के सापेक्ष देखा जाए तो प्रत्येक विधानसभा पर रु1 करोड़ भी नहीं बैठता है। ऐसे में अकेले असंध विधानसभा में 1 करोड़ रुपए से भी अधिक लगभग 1 करोड़ 15 लाख का बजट गौशालाओं के लिए देना विधायक योगेंद्र राणा के विशेष प्रयासों को दशार्ता है।

विधायक योगेंद्र राणा ने स्वयं गौशालाओं में जाकर यह चेक वितरित किए, जो उनके गौ सेवा के प्रति समर्पण को दर्शाता है। इस दौरान, उन्होंने सभी गौशाला संचालकों से गौवंश की उचित देखभाल सुनिश्चित करने का आग्रह किया। यह सहयोग राशि गौशालाओं के बेहतर रख-रखाव, गौवंश के चारे और चिकित्सा सुविधाओं में सुधार के लिए उपयोग की जाएगी।

विधायक ने कहा कि गऊ माता भारतीय संस्कृति, आस्था और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की आधारशिला रही हैं। प्राचीन समय से ही गाय को गौमाता का दर्जा देकर पूजनीय माना गया है। गऊ माता से प्राप्त दूध व अन्य उत्पाद न केवल हमारे स्वास्थ्य के लिए लाभकारी हैं बल्कि कृषि और पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। उन्होंने कहा कि आज के बदलते समय में गऊ माता के संरक्षण की आवश्यकता पहले से अधिक हो गई है। समाज के सभी वर्गों का भी यह कर्तव्य बनता है कि वे गऊ माता के पालन, पोषण और संरक्षण के लिए आगे आएँ। उन्होंने कहा कि हमें अपना कर्म करना चाहिए फल तो भगवान देते हैं। अच्छा कर्म करने वालों के लिए फल भी अच्छा ही होता है।

इस अवसर पर ग्रामीणों और क्षेत्रवासियों ने विधायक योगेंद्र राणा का गर्मजोशी से स्वागत किया और इस सहयोग राशि के लिए हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और विधायक योगेंद्र राणा का धन्यवाद किया। ग्रामीणों ने कहा कि गौशालाओं को इस तरह की वित्तीय सहायता मिलने से उन्हें गोवंश की देखभाल करने में काफी मदद मिलेगी।

भारत ऋषि मुनियों का देश यहां वर्ष भर मनाए जाते हैं तीज त्यौहार: योगेंद्र राणा

संजना भारती संवाददाता

असन्ध। जन्माष्टमी जन्माष्टमी पर ग्रामीण क्षेत्रों में असत नगर में धूमधाम व हर्सोल्लास के साथ मनाया गया। नगर के गीता मंदिर, श्रीबालाजी मंदिर, पातालेश्वर मंदिर, मां भद्रकाली मंदिर, श्री खाटू श्याम मंदिर सनातन धर्म मंदिर राधा कृष्ण मंदिर को रंग बिरंगी सुंदर लड़कियों से सजाया गया मंदिर में भगवान कृष्ण की लीलाओं से संबंधित सुंदर झांकियां बनाई गई। नगर के सनातन धर्म मंदिर में मंदिर कमेटी के प्रधान विक्की जुनेजा, प्रदीप ठुकराल व विशाल जुनेजा ने बताया कि हर बार की तरह इस बार भी श्री कृष्ण जन्माष्टमी को लेकर नगर वासियों में भारी उत्साह देखा गया है। मन्दिर में प्रातकाल से कान्हा को झूला झूलाने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ लग गई।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विधायक योगेंद्र राणा ने शिरकत की। मन्दिर में पहुंचने पर विधायक का नपा वाइस चेयरमैन राजेन्द्र ढींगड़ा, योगेश ठुकराल, नितिन जुनेजा, हिमांशु छाबड़ा, बादल व ट्विंकल ठुकराल ने फूल मलाओं व कान्हा जी का स्वरूप भेंट कर स्वागत किया। विधायक योगेंद्र राणा नें भगवान श्री कृष्ण को झूला झुलाया व माथा टेका। इस अवसर विधायक नें कहा कि भारत ऋषि मुनियों का देश है। यहां वर्ष भर तीज त्योहार मनाए जाते हैं इनमें से जन्माष्टमी पर भी पूरे देश में धूमधाम से मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि दुष्टों का विनाश करने के लिए भगवान श्रीकृष्ण नें आज के दिन जन्म लिया।

इस अवसर पर पूर्व नपा चेयरमैन दीपक छाबड़ा, पंजाबी सभा प्रधान जगदीश पाहवा, समाजसेवी अमरजीत छाबड़ा, बृज लाल टक्कर व कृष्ण लाल दुआ आदि उपस्थित रहे।

नगर पालिका राजौंद में स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। नगर पालिका राजौंद परिसर में 79वां स्वतंत्रता दिवस बड़े ही उत्साह और धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर नगर पालिका चेयरपर्सन बबीता रानी ने ध्वजारोहण किया और उपस्थित जनसमूह को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। उनके साथ सचिव नरेंद्र शर्मा ने भी नगरवासियों को बधाई देते हुए स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के योगदान को याद करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में नगर पार्षद, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि तथा नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। ध्वजारोहण के बाद राष्ट्रगान गूंजा तो पूरा वातावरण देशभक्ति से सराबोर हो गया।

इस अवसर पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं उनके परिजनों को सम्मानित किया गया। नगर पालिका प्रशासन की ओर से उन्हें शॉल भेंट किए गए। चेयरपर्सन बबीता रानी, भाजपा जिला कार्यकारिणी सदस्य कपिल दिक्षित, सचिव कुमार व पार्षदों ने कहा कि देश की आजादी इन्हीं वीर सेनानियों की बदौलत संभव हो सकी है, इसलिए उनका सम्मान करना हम सबका कर्तव्य है। सचिव नरेंद्र शर्मा ने भी कहा कि आजादी हमें बड़ी कुर्बानियों के बाद मिली है, जिसे हमें संजोकर रखना

होगा। कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रभक्ति नारों से पूरा नगर गूंज उठा। बच्चों को मिठाइयां बांटी गईं और नगरवासी देर तक स्वतंत्रता दिवस की खुशियों में झूमते रहे। स्वतंत्रता दिवस का यह समारोह नगर पालिका राजौंद के इतिहास में एक यादगार पल बन गया।

शेखपुरा सुहाना में सर्व कल्याण मंच ने लगाई त्रिवेणी, दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। सर्व कल्याण मंच करनाल टीम ने रविवार को शेखपुरा सुहाना गांव के सरकारी स्कूल में त्रिवेणी लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंच के जिला अध्यक्ष सुरेंद्र उड़ाना ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में मंच के प्रदेश अध्यक्ष नवीन कौशिक मौजूद रहे। विशेष अतिथि के तौर पर मंच की वाइस चेयरमैन रीना खरकाली ने भी शिरकत की। जिला अध्यक्ष सुरेंद्र उड़ाना ने कहा कि मंच गांव-गांव जाकर त्रिवेणी लगाकर समाज को जागरूक कर रहा है। पौधारोपण के साथ-साथ लोगों को पर्यावरण संरक्षण का महत्व समझाना संस्था का प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि यदि हर गांव में लोग इस दिशा में प्रयास करें तो समाज को स्वच्छ और हराभरा बनाया जा सकता है। मुख्य अतिथि नवीन कौशिक ने कहा कि पेड़ लगाना ही नहीं बल्कि उनकी देखभाल करना भी हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि पौधे तभी जीवनदायी बनेंगे जब हम उनकी नियमित देखभाल करेंगे। विशेष अतिथि रीना खरकाली ने कहा कि हर खुशी के अवसर पर जैसे जन्मदिन, शादी या सालगिरह पर पौधा लगाना चाहिए। यदि हर व्यक्ति इस संकल्प को निभाए तो समाज में पर्यावरण संरक्षण की बड़ी क्रांति आ सकती है।

राजौंद पार्षद कर्मवती ने जींद चौक का डा. भीमराव अम्बेडकर के नाम से नामकरण किया

संजना भारती संवाददाता

राजौंद। राजौंद में 79 वें स्वतंत्रता दिवस के पवित्र अवसर पर 15 अगस्त, शुक्रवार को पार्षद वार्ड सात कर्मवती व अनुराग ने नगरवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी हैं।

पार्षद कर्मवती ने राजौंद के जींद मोड़ पर नारियल फोड़कर चौक का नाम डॉ. भीमराव अंबेडकर चौंक का नामकरण किया हैं। इसके लिए कमलेश ढांडा पूर्व राज्यमंत्री का धन्यवाद किया है। इस कार्य के लिए समाज ने मंत्री, कृष्ण पवार कैबिनेट मंत्री, सांसद नवीन जिंदल और मुख्यमंत्री नायब सैनी का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर सरकार व प्रशासन का कोई नुमाइंदा मौजूद नहीं था। इस अवसर पर पार्षद कर्मवती, पार्षद अनुराग सहित राजकुमार, कृष्ण, रविंदर, पार्षद प्रतिनिधि अंकित, नरेश, संजीव, राजकुमार, बंटी, रमेश, राजीव, शिला, कर्मवीर, रवि, अमित, प्यारा, कुलदीप, नरेश, संजीव, सुरेश मिस्त्री, विजय सहित अन्य व्यक्ति मौके पर उपस्थित रहे।

गौ माता भारतीय संस्कृति, आस्था और जीवन मूल्यों की धुरी: विधायक सतपाल जांबा

■ ग्राम धेरडू में 18 एकड़ भूमि में बनने वाली श्री राधा कृष्ण गौशाला का हुआ भूमि पूजन

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल/पूंडरी। शनिवार को ग्राम धेरडू में 18 एकड़ भूमि में बनने वाली श्री राधा कृष्ण गौशाला का भूमि पूजन सम्पन्न हुआ। इसमें पूंडरी विधायक सतपाल जांबा ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस अवसर पर उनकी धर्मपत्नी द्वारा पांच लाख तथा ग्राम धेरडू के सरपंच ऋषिपाल द्वारा भी पांच लाख का योगदान दिया गया।

पूंडरी विधायक सतपाल जांबा ने कहा कि गौशाला निर्माण केवल एक धार्मिक कार्य नहीं, बल्कि समाज और संस्कृति को समर्पित एक ऐतिहासिक पहल है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए गौसेवा और सामाजिक उत्थान का केंद्र बनेगी। गौ माता भारतीय संस्कृति, आस्था और जीवन मूल्यों की धुरी हैं। गौशाला का निर्माण न केवल गौ संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि यह गाँव और क्षेत्र की एकता, सहयोग और

धार्मिक चेतना का भी अद्वितीय उदाहरण है। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत धेरडू एवं पंचगामा साधवाला मंदिर समिति के विशेष सहयोग के बिना यह पुण्य कार्य संभव नहीं हो पाता। उनका योगदान समाज और धर्म सेवा के प्रति सच्ची निष्ठा का प्रतीक है।

विधायक सतपाल जांबा ने कहा कि सरकार द्वारा प्रदेश में पंजीकृत गौशालाओं को पिछले साढ़े दस वर्षों में चारे के लिए करोड़ो रुपये का अनुदान दिया है। हमारे देश में गाय आदिकाल से ही पूजनीय रही है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, गाय में सभी देवी-देवता निवास करते हैं। गाय को आध्यात्मिक और दिव्य गुणों की स्वामिनी भी कहा गया है। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि यह श्री राधा कृष्ण गौशाला आने वाले समय में समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत बनेगी और यहाँ से गौसेवा, मानव सेवा एवं धार्मिक संस्कारों का अमृत प्रवाहित होगा।

राजौंद के शिव दुर्गा मंदिर में जन्माष्टमी पर्व धूमधाम से मनाया गया

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। राजौंद के शिव दुर्गा मंदिर में कृष्ण जन्माष्टमी पर्व बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा-भक्ति के साथ मनाया गया। मंदिर को आकर्षक रूप से सजाया गया था। दिनभर श्रद्धालुओं ने उपवास रखकर श्रीकृष्ण जन्मोत्सव में भाग लिया।

शाम को मंदिर प्रांगण में भजन-कीर्तन हुआ, जिसमें स्थानीय कलाकारों ने श्रीकृष्ण भक्ति से ओत-प्रोत प्रस्तुतियां दीं। आधी रात 12 बजे श्रीकृष्ण जन्म के समय घंटा-घड़ियाल व शंखनाद से पूरा वातावरण गूंज उठा। भगवान का अभिषेक कर सुंदर श्रृंगार किया गया और झूला सजाकर बाल गोपाल को विराजमान कराया गया। महिलाओं ने मंगल गीत गाए, वहीं बच्चों और महिलाओं ने रंग-बिरंगे वस्त्र पहन कर उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में भाग लिया। देर रात तक श्रद्धालु मंदिर परिसर में उमड़ते रहे और प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर समिति ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी पर्व को भव्य स्वरूप दिया गया। जन्माष्टमी का यह आयोजन श्रद्धालुओं के लिए न केवल आध्यात्मिक अनुभव का अवसर बना, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक परंपराओं को भी मजबूती प्रदान की।

11 साल में मोदी सरकार ने हर वर्ग के लिए किए विकास कार्य: केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल

■ करनाल में भाजपा जिला कार्यसमिति की बैठक, कहा-भारत आज दुनिया की चौथी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। केंद्रीय ऊर्जा, आवासन और शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने आज भाजपा जिला कार्यसमिति की बैठक भाजपा कार्यालय कर्ण कमल में ली। बैठक के उपरांत मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की भाजपा सरकार ने पिछले 11 वर्षों में हर क्षेत्र में उल्लेखनीय विकास कार्य किए हैं।

मनोहर लाल ने कहा कि किसानों, महिलाओं और युवाओं समेत हर वर्ग के लिए योजनाएं लागू की गईं। तीन तलाक खत्म करने से लेकर धारा 370 हटाने तक, अनेक ऐतिहासिक निर्णय सरकार द्वारा लिए गए हैं। उन्होंने बताया कि आज भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनकर उभरा है। उन्होंने ऊर्जा क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि प्राइवेट नौकरी करने वाले युवाओं को 15 हजार रुपये लाभ देने की घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की है, जिसके लिए एक लाख करोड़ रुपये का बजट रिजर्व रखा गया है। वहीं कांग्रेस पर हमला बोलते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वोट चोरी कांग्रेस के राज में हुई है। अब वही घुसपैठियों की वोट लेने को आतुर हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि आज कांग्रेस की स्थिति उल्टा चोर कोतवाल को डांटे जैसी हो गई है, लेकिन देश की जनता सब जानती है।

एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि संघ के 100 वर्ष पूरे होने से देश में देशभक्ति की भावना और मजबूत हुई है। "देश पहले" का भाव हर व्यक्ति में जागा है। जनता भाजपा और संघ की कार्यशैली से प्रभावित होकर लगातार भाजपा को शासन का अवसर दे रही है।

दृष्टिहीन भी समाज के लिए बन रहे हैं प्रेरणास्रोत-कल्याण

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण के अनुसार दृष्टिहीन व्यक्ति संसाधनों के अभाव के बीच हौंसले व जज्बे के साथ लक्ष्य तय कर विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय कार्य कर रहे हैं। इनके लिए शारीरिक बाधाएं कोई मायने नहीं रखती। एक जनप्रतिनिधि होने के नाते उनकी पहली जिम्मेदारी दृष्टिहीनों के प्रति है। उन्होंने ऐच्छिक कोष से एसोसिएशन को 5 लाख रुपये देने का ऐलान किया। विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण रविवार को पंचायत भवन में क्रिकेट एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड इन हरियाणा के 8 वें स्थापना दिवस पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि आज भावों को व्यक्त करने के लिए उनके पास शब्द नहीं है। यह जरूरी नहीं कि दृष्टिहीनता जन्म से हो, कई बार कुदरत भी ऐसे हालात पैदा कर देती है जिससे व्यक्ति दृष्टि खो बैठता है। दृष्टिहीनों के प्रति संवेदनशीलता का होना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि 14 साल बाद एसोसिएशन की ओर से करनाल में कार्यक्रम आयोजित किया गया है। उन्होंने एसोसिएशन के पदाधिकारियों व सदस्यों को विश्वास दिलाया कि हमेशा उनके साथ हैं। सरकार ने दिव्यांगों के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं आरंभ कर रखी हैं। पात्र दिव्यांगों को इनका फायदा भी पहुंचा है। विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए दिव्यांगों ने राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राज्य व देश का नाम रौशन किया है।

सरकार के सम्मुख वकील बनकर उनकी मांगों को आगे बढ़ाने का प्रयास करूंगा। साथ ही एसोसिएशन पदाधिकारियों से कहा कि वे भविष्य में करनाल में ही टूनार्मेंट का आयोजन करें, व्यवस्था के लिए हर संभव मदद की जाएगी। इस पर प्रधान अजीत सिंह पटवा व महासचिव कृष्ण कुमार मलिक ने यहां टूर्नामेंट के आयोजन की हामी भर दी।